Library 25/11/16
M

This question paper contains **16+8+3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1861**

Unique Paper Code : **22411101** **GC-3**

Name of the Paper : **Financial Accounting**

Name of the Course : **B.Com. (Hons.), CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **55**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

Show your working notes clearly.

सभी प्रश्न हल कीजिए।

अपनी गणनाएँ स्पष्ट दिखाइए।

1. State with reasons whether the following statements are True *or* False :

(*a*) Legal fees paid to acquire a property is capital expenditure.

(*b*) Advance received from a supplier is not taken as income or sales.

P.T.O.

(*c*) Calibre or quality of management team is not directly disclosed in the balance sheet.

(*d*) Deferred revenue expenditure is current year's revenue expenditure to be paid in later years.

(*e*) Depreciation is decrease in the market value of a fixed assets. 5

कारण सहित बताइये कि निम्न कथन सही हैं अथवा गलत :

(*a*) किसी सम्पत्ति को क्रय करने के लिए दी गई कानूनी फीस एक पूँजीगत व्यय होता है।

(*b*) माल की आपूर्तिकर्ता से प्राप्त अग्रिम राशि को आय अथवा बिक्री नहीं माना जाता।

(*c*) तुलन-पत्र में, प्रबन्धक टीम की योग्यता तथा गुणवत्ता को सीधे-सीधे नहीं दर्शाया जाता।

(*d*) आस्थगित राजस्व व्यय वर्तमान वर्ष का ऐसा राजस्व व्यय होता है जिसका भुगतान बाद के वर्षों में किया जाता है।

(*e*) स्थाई सम्पत्ति के बाजार मूल्य में गिरावट को ह्रास कहते हैं।

2. From the following particulars, prepare the Trading and Profit & Loss Account for the year ended 31st December, 2014 and the Balance Sheet as on that date :

Particulars	₹	**Particulars**	₹
Building	5,00,000	Loans (1-1-2014)	3,00,000
Machinery	2,20,000	Capital	5,20,000

Furniture	1,00,000	Creditors	4,00,000
Bank	90,000	Purchase Returns	1,00,000
Cash	10,000	Sales	32,20,000
Debtors	5,00,000	Provident Fund Deducted	
Opening Stock	1,20,000	from Salaries	10,000
Purchases	25,00,000		
Sales Return	1,20,000		
Rent	60,000		
Establishment	1,60,000		
Interest (10%)	20,000		
Electricity	10,000		
Phone	10,000		
Commission	60,000		
Insurance Premium	10,000		
Bad debts	20,000		
Bills Receivable	40,000		
	45,50,000		45,50,000

Adjustments :

Provide depreciation on Building @ 5%, Machinery @ 15% and Furniture @ 10%. Stock was not taken on 31st December, 2014 but only on 7/1/2015. The transactions from 1/1/2015 to 7/1/2015 are : Sales ₹ 2,50;000, Purchase ₹ 1,50,000. Stock on 7/1/2015 ₹ 1,80,000 and rate of Gross Profit being 20%. During the year machinery of the value of ₹ 1,00,000 was destroyed by the fire and the insurance claim was settled at ₹ 80,000 and credited to Machinery A/C. Also provide Employer's share of P.F. ₹ 10,000, Provision for Bad debts 5%, Commission of the Manager @ 10% on net profit after providing such commission. 10

अधोलिखित ब्यौरे से 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्य वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए तथा उसी तिथि को तुलन-पत्र भी बनाइए :

विवरण	₹	विवरण	₹
भवन	5,00,000	ऋण (1-1-2014)	3,00,000
मशीनें	2,20,000	पूँजी	5,20,000
फर्नीचर	1,00,000	लेनदार	4,00,000
बैंक	90,000	क्रय वापसी	1,00,000
नगद	10,000	विक्रय	32,20,000
देनदार	5,00,000	वेतन से काटी गई भविष्य निधि	10,000

आरम्भिक स्टॉक	1,20,000		
क्रय	25,00,000		
विक्रय वापसी	1,20,000		
किराया	60,000		
स्थापना व्यय	1,60,000		
ब्याज (10%)	20,000		
बिजली	10,000		
फोन	10,000		
कमीशन	60,000		
बीमा प्रीमियम	10,000		
बट्टे खाते	20,000		
प्राप्य बिल	40,000		
	45,50,000		45,50,000

समायोजन :

भवन पर 5%, मशीनों पर 15% तथा फर्नीचर पर 10% की दर से मूल्यह्रास लगाएँ। स्टॉक का आकलन 31 दिसम्बर, 2014 को नहीं किया जा सका अपितु 7/1/2015 को किया गया। 1/1/2015 से 7/1/2015 के बीच के लेन-देन हैं : बिक्री ₹ 2,50,000, क्रय ₹ 1,50,000, 7/1/2015 को स्टॉक ₹ 1,80,000 तथा सकल लाभ की दर 20%। वर्ष के दौरान ₹ 1,00,000 मूल्य की मशीनें आग लगने

से क्षतिग्रस्त हो गईं तथा बीमा दावे का निबटारा ₹ 80,000 में हुआ जिसे मशीन खाते में जमा कर दिया गया। P.F. में नियोक्ता के हिस्से का ₹ 10,000 का प्रावधान कीजिए, बट्टे खातों के लिए 5% प्रावधान करें। प्रबन्धक को, उसकी कमीशन के बाद के शुद्ध लाभ का 10% कमीशन के तौर पर दिया जाना है।

Or

(अथवा)

From the following Receipts and Payments Account of a Cricket Club and additional information, prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 2015 and a Balance Sheet as on that date :

Receipts	₹	**Payments**	₹
To Balance b/d :		By Purchase of Balls	65,000
Cash	10,200	By Tournament Fees	10,000
Bank	30,000	By Affiliation Fee for five years	2,000
To Subscriptions	2,45,000	By Rent of Playground	6,000
To Interest on Investment	1,800	By Travelling Expenses	20,000
To Sale of ticket for Variety Programme	20,000	By Expenses of Variety Programme	15,000
To Sale of furniture (30-09-2014)	9,000	By Refreshment Expenses	4,000
To Donation for Building	50,000	By Furniture bought on (1-10-2014)	5,000

To Legacy	11,000	By Advance to Building Contractor	50,000
		By Repairs	5,000
		By Salary	15,000
		By Telephone bill	1,500
		By Miscellaneous Exps	8,000
		By 12% Investments (F.V. ₹ 1,70,000) 1-1-2015	1,50,000
		By Balance :	
		Cash	8,500
		Bank	12,000
	3,77,000		3,77,000

Additional Information :

(*a*) Miscellaneous expenses include ₹ 3,000 for the honorarium.

(*b*) Subscriptions received include ₹ 9,000 outstanding subscription for the year 2013-14. Subscription for the year 2014-15 amounting to ₹ 16,000 is still outstanding. Some members have paid subscription for the 2015-16 amounting to ₹ 8,000 which is included in the subscription received.

(*c*) Face value of 12% investment on 31st March 2014 was ₹ 15,000 (Cost price ₹ 12,000).

(*d*) Book value of the furniture sold on 1-4-2014 was ₹ 12,000 depreciation being 20% p.a. Provide depreciation on new furniture at the same rate.

(*e*) Telephone bill for one quarter is outstanding, the amount outstanding being ₹ 300. The charge for each quarter is same both for 2013-14 and 2014-15.

(*f*) Unpresented cheques for repairs to building being ₹ 4,000 for 2013-14 and ₹ 12,000 for 2014-15.

(*g*) Bank balance represents 'Balance as per Bank Pass Book'.

(*h*) Stock of balls with the club on 31st March, 2015 amounted to ₹ 6,000. 10

एक क्रिकेट क्लब के निम्न प्राप्ति तथा भुगतान खाते व अन्य अतिरिक्त जानकारियों के आधार पर, 31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता तैयार कीजिए तथा उस दिवस को उसका तुलन-पत्र भी बनाइये :

प्राप्तियाँ	₹	**भुगतान**	₹
शेष आगे लाया गया :		गेंदों का क्रय	65,000
नगद	10,200	टूर्नामेन्ट की फीस	10,000
बैंक	30,000	पाँच वर्ष के लिए सम्बद्धता शुल्क	2,000
सदस्यों का अंशदान	2,45,000	खेल मैदान का किराया	6,000

निवेश पर ब्याज	1,800	यात्रा व्यय	20,000
विविध कार्यक्रम की टिकट बिक्री	20,000	विविध कार्यक्रम पर व्यय	15,000
फर्नीचर की बिक्री		जलपान के लिए व्यय	4,000
(30-09-2014)	9,000	फर्नीचर क्रय (1-10-2014)	5,000
भवन के लिए दान	50,000	भवन के लिए अग्रिम भुगतान	
विरासत से प्राप्तियाँ	11,000	ठेकेदार को दिया	50,000
		मरम्मत व्यय	5,000
		वेतन	15,000
		टेलीफोन बिल	1,500
		विविध व्यय	8,000
		12% निवेश (भविष्य मूल्य ₹ 1,70,000) 1-1-2015	1,50,000
		शेष आगे ले जाया गया :	
		नगद	8,500
		बैंक	12,000
	3,77,000		3,77,000

P.T.O.

अतिरिक्त जानकारी :

(*a*) विविध व्यय में ₹ 3,000 मानदेय राशि सम्मिलित है।

(*b*) प्राप्त अंशदान में, 2013-14 वर्ष की ₹ 9,000 बकाया राशि सम्मिलित है। वर्ष 2014-15 के लिए ₹ 16,000 अंशदान अभी भी बकाया है। कुछ सदस्यों ने वर्ष 2015-16 के लिए ₹ 8,000 अग्रिम अंशदान दे दिया है जो प्राप्त अंशदान में सम्मिलित है।

(*c*) 31 मार्च, 2014 को, 12% निवेश का अंकित मूल्य ₹ 15,000 था (जिसका लागत मूल्य ₹ 12,000 था)।

(*d*) 1-4-2014 को बेचे गए फर्नीचर का पुस्तक मूल्य ₹ 12,000 था। ह्रास मूल्य की दर 20% वार्षिक थी। नए फर्नीचर पर भी इसी दर से ह्रास लागू होगा।

(*e*) एक तिमाही का टेलीफोन बिल बकाया है जिसकी राशि ₹ 300 है। 2013-14 तथा 2014-15 दोनों वर्षों में प्रत्येक तिमाही का यही खर्चा है।

(*f*) भवन की मरम्मत के लिए जारी, वर्ष 2013-14 में ₹ 4,000 तथा 2014-15 में ₹ 12,000 के चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए।

(*g*) बैंक बैलेन्स 'बैंक पास बुक के अनुसार शेष' को प्रदर्शित करता है।

(*h*) 31 मार्च, 2015 को क्लब के पास उपलब्ध गेंदों का स्टॉक मूल्य ₹ 6,000 था।

3. (*a*) Distinguish between Periodic Inventory System and Perpetual Inventory System. 3

(*b*) The following are the details of a spare part of Golden Mills :

1-1-2015	Opening Stock	Nil
1-1-2015	Purchases	200 units @ ₹ 30 per unit

15-1-2015	Issued for consumptions	100 units
1-2-2015	Purchases	400 units @ ₹ 40 per unit
15-2-2015	Issued for consumptions	200 units
20-2-2015	Issued for consumptions	200 units
1-3-2015	Purchases	300 units @ ₹ 50 per unit
15-3-2015	Issued for consumptions	100 units

Find out value of stock as on 31-3-2015 if the company follows :

(*i*) FIFO

(*ii*) Weighted Average Method

under Perpetual Inventory System. 7

(*a*) सामयिक इन्वेन्टरी पद्धति तथा सतत् इन्वेन्टरी पद्धति में अन्तर्भेद कीजिए।

(*b*) गोल्डन मिल के एक स्पेयर पार्ट का विवरण नीचे दिया गया है :

1-1-2015	आरम्भिक स्टॉक	शून्य
1-1-2015	क्रय की गईं	200 इकाई @ ₹ 30 प्रति इकाई
15-1-2015	खपत के लिए जारी किए	100 इकाई
1-2-2015	क्रय की गईं	400 इकाई @ ₹ 40 प्रति इकाई

15-2-2015	खपत के लिए जारी	200 इकाई
20-2-2015	खपत के लिए जारी	200 इकाई
1-3-2015	क्रय की गईं	300 इकाई @ ₹ 50 प्रति इकाई
15-3-2015	खपत के लिए जारी	100 इकाई

सतत् इन्वेन्टरी पद्धति द्वारा, 31-3-2015 को स्टॉक का मूल्य ज्ञात कीजिए यदि कम्पनी :

(*i*) प्रथम आवक प्रथम जावक (FIFO) तरीका अपनाती है तथा

(*ii*) भारित औसत (Weighted Average) का तरीका अपनाती है।

Or

(अथवा)

(*a*) On 1st January 2010, Riddhi purchased machine 'A' for ₹ 30,000 and machine 'B' for ₹ 20,000. On 1st January 2011, she purchased a machine 'C' for ₹ 50,000. On 1st January 2012, machine 'A' got out of order and a new machine was purchased costing ₹ 60,000 after surrendering the old one and paying cash ₹ 45,000. On 1st January 2013, machine 'C' purchased on 1st January 2011, was destroyed by fire and insurance company paid ₹ 30,000 only. Show the Machine account for 2010, 2011, 2012 and 2013. Charge depreciation @ 10% p.a. on the W.D.V. method. 7

(*b*) What do you understand by convergence of IFRS ? Is there any need for such convergence ? 3

(*a*) 1 जनवरी, 2010 को रिद्धि ने ₹ 30,000 में मशीन 'ए' तथा ₹ 20,000 में मशीन 'बी' खरीदी। 1 जनवरी, 2011 को उसने ₹ 50,000 में मशीन 'सी' खरीदी। 1 जनवरी, 2012 को मशीन 'ए' खराब हो गई तथा ₹ 60,000 मूल्य की नई मशीन खरीदी गई जिसके लिए पुरानी मशीन के साथ ₹ 45,000 नगद भुगतान किया गया। 1 जनवरी, 2013 को, 1 जनवरी, 2011 को खरीदी गई मशीन 'सी' आग लगने से क्षतिग्रस्त हो गई जिसके लिए इन्श्योरेन्स कम्पनी ने मात्र ₹ 30,000 दिए। 2010, 2011, 2012 तथा 2013 के लिए मशीन खाता बनाइये। क्रमशः घटते मूल्य पर 10% वार्षिक दर से मूल्यह्रास लगाइए।

(*b*) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों (IFRS) के अभिसरण से आपका क्या अभिप्राय है ? क्या इस प्रकार के अभिसरण की कोई आवश्यकता है ?

4. Aaryan Motor Ltd. purchased three trucks costing ₹ 2,00,000 each from Dev Auto Ltd. on 1st January, 2012 on hire-purchase system. The terms were : payment on delivery ₹ 50,000 for each truck and balance of the principal amount by 3 equal instalments plus interest at 15% p.a. to be paid at the end of each year. Aaryan Motor Ltd. writes off 25% depreciation yearly on the diminishing balance method. Aaryan Motor Ltd. paid the instalment due on 31st December, 2012 and 31st December 2013 but could not pay the final instalment.

P.T.O.

Dev Auto Ltd. repossessed two trucks adjusting their values against the amount due. The repossession was done on 1st January 2015 on the basis of 40% p.a. depreciation on the diminishing balance method. Dev Auto Ltd. spent ₹ 13,600 on the repair of two trucks and sold of them for ₹ 65,000.

Write up the ledger accounts in the books of Aaryan Motor Ltd. and also prepare Goods repossessed A/c in Dev Auto Ltd. showing the above transactions upto 1-1-2015. 10

01 जनवरी, 2012 को आर्यन मोटर लि. ने ₹ 2,00,000 प्रति ट्रक के हिसाब से, देव ऑटो लि. से तीन ट्रक किराया-क्रय पद्धति से क्रय किए। शर्तें इस प्रकार थीं—डिलीवरी पर ₹ 50,000 प्रति ट्रक भुगतान तथा शेष मूल राशि का भुगतान तीन समान किश्तों में, 15% वार्षिक ब्याज सहित, प्रत्येक वर्ष के अन्त में किया जाएगा। आर्यन मोटर लि. 25% वार्षिक की दर से, घटते शेष तरीके के आधार पर मूल्यह्रास लगाते हैं। आर्यन मोटर लि. ने 31 दिसम्बर, 2012 तथा 31 दिसम्बर, 2013 को देय किश्तों का भुगतान कर दिया किन्तु वे अन्तिम किश्त का भुगतान नहीं कर पाए।

देव ऑटो लि. ने देय राशि के विरुद्ध दो ट्रकों का मूल्य समायोजित करते हुए उन्हें वापस ले लिया। वापस लिए गए ट्रकों का मूल्य, घटते शेष पर 40% वार्षिक दर से मूल्यह्रास लगाकर 1 जनवरी, 2015 को देव ऑटो लि. ने ट्रकों को वापस ले लिया। देव ऑटो लि. ने दोनों ट्रकों की मरम्मत पर ₹ 13,600 खर्च किए तथा ₹ 65,000 में उन्हें बेच दिया।

आर्यन मोटर लि. की पुस्तकों में लैजर खाते बनाइये तथा देव ऑटो लि. की पुस्तकों में माल वापसी खाता दर्शाइये। उपर्युक्त सभी लेन-देन 1-1-2015 तक दर्शाइये।

Or

(अथवा)

Mohan sells goods on hire-purchase basis also. He fixes hire-purchase price by adding 50% to the cost of the goods to him. The following are the figures relating to his hire-purchase business for the year 2014 :

	₹
Balance on Hire-Purchase Stock Account on 1-1-2014	24,000
Balance on Hire-Purchase Debtors Account on 1-1-2014	600
Selling price of the goods sold on hire-purchase basis during the year	1,81,200
Cash received from hire-purchase customers during the year	1,84,800
Total amount of instalments that fell due during 2014	1,85,400

One customer to whom goods had been sold for ₹ 2,400 paid only three instalments of ₹ 200 each. On his failure to pay the monthly instalment of ₹ 200 due on 4th December, 2014 the goods were repossessed on 27-12-2014 after legal notice.

Prepare ledger accounts as per Stock and Debtors system. 10

मोहन, किराया-क्रय आधार पर भी माल बेचता है। वह किराया-क्रय का मूल्य अपनी लागत में 50% जोड़कर तय करता है। निम्नलिखित आंकड़े वर्ष 2014 के लिए उसके किराया-क्रय व्यापार से सम्बद्ध हैं :

	₹
1-1-2014 को किराया-क्रय स्टॉक खाते का शेष	24,000
1-1-2014 को किराया-क्रय लेनदार खाते का शेष	600
वर्ष के दौरान किराया-क्रय के आधार पर बेचे गए माल का विक्रय मूल्य	1,81,200
वर्ष के दौरान किराया-क्रय ग्राहकों से नगद प्राप्तियाँ	1,84,800
वर्ष 2014 के दौरान देय किश्तों की कुल धनराशि	1,85,400

एक ग्राहक ने जिसे ₹ 2,400 का माल बेचा गया था, ₹ 200 प्रति के हिसाब से केवल तीन किश्तों का भुगतान किया। 4 दिसम्बर, 2014 को देय ₹ 200 की किश्त का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, कानूनी नोटिस देने के बाद 27-12-2014 को उस ग्राहक से सामान वापस ले लिया गया।

किराया-क्रय लेन-देनों से होने वाले लाभ अथवा हानि को ज्ञात करने के लिए, 'स्टॉक एवं डेटर्स' पद्धति से लैजर खाते तैयार कीजिए।

5. Delhi head office supplies goods to its branch at Kanpur at invoice price which is cost plus 50%. All cash received by the branch is remitted to Delhi and all Branch expenses are paid by the head office. The following are the particulars related to Kanpur Branch for the year 2014 :

	₹
Stock at Branch on 1-1-2014 at Invoice price	60,000
Branch Debtors on 1-1-2014	12,000
Petty cash on 1-1-2014	100

1861

Goods received from Head Office at Invoice price			1,86,000
Goods returned to Head Office			3,000
Credit sales less returns			84,000
Allowances to customers off selling price already adjusted while Invoicing			2,000
Cash received from Debtors			90,000
Discount allowed to Debtors			2,400
Expenses paid by Head Office :			
	Rent	2,400	
	Salaries	24,000	
	Petty cash	1,000	27,400
Cash sales			1,04,000
Stock at Branch on 31-12-2014			54,000
Petty cash balance on 31-12-2014			100

Prepare :

(1) Branch stock account

(2) Branch debtors account

(3) Branch adjustment account

(4) Branch profit & loss account

in the books of Head Office. 10

P.T.O.

दिल्ली प्रधान कार्यालय, कानपुर स्थित अपनी शाखा को बीजक मूल्य, जोकि लागत जमा 50% है, पर माल भेजता है। शाखा द्वारा प्राप्त समस्त नगद राशि दिल्ली भेज दी जाती है तथा शाखा के सभी खर्चों का भुगतान प्रधान कार्यालय द्वारा किया जाता है। निम्न विवरण, वर्ष 2014 के लिए, कानपुर शाखा से सम्बद्ध हैं :

	₹
1-1-2014 को शाखा में बीजक मूल्य पर स्टॉक	60,000
1-1-2014 को शाखा के देनदार	12,000
1-1-2014 को फुटकर रोकड़ राशि	100
बीजक मूल्य पर प्रधान कार्यालय से प्राप्त माल	1,86,000
प्रधान कार्यालय को माल वापसी	3,000
वापसियाँ घटाकर उधार विक्रय	84,000
विक्रय मूल्य पर ग्राहकों को छूट जिसे बीजक बनाते समय पहले ही समायोजित किया जा चुका है	2,000
देनदारों से नगद प्राप्ति	90,000
देनदारों को प्रदत्त छूट	2,400
प्रधान कार्यालय द्वारा भुगतान किए गए व्यय :	
किराया 2,400	
वेतन 24,000	
फुटकर रोकड़ 1,000	27,400

नगद विक्रय	1,04,000
31-12-2014 को शाखा में स्टॉक	54,000
31-12-2014 को फुटकर रोकड़ का शेष	100

प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में निम्न खाते तैयार कीजिए :

(1) शाखा स्टॉक खाता

(2) शाखा देनदार खाता

(3) शाखा समायोजन खाता तथा

(4) शाखा लाभ-हानि खाता।

Or

(अथवा)

The following is the Trial Balance of Mumbai Branch as at 31st March, 2015 :

Particulars	₹	**Particulars**	₹
Delhi Head Office	32,400	Sales	3,80,000
Stock (1-4-2014)	60,000	Goods supplied to H.O.	60,000
Purchases	1,78,000	Creditors	18,500
Goods received from H.O.	90,000		

Salaries	15,000	
Debtors	37,000	
Rent	9,600	
Office Expenses	4,700	
Cash in hand & Bank	17,800	
Furniture	14,000	
	4,58,500	4,58,500

Additional information :

Closing stock was valued at ₹ 27,000. The Branch Account in the books of Head Office stood at ₹ 4,600 (Debit Balance) on 31st March, 2015. On 28th March, 2015 the Head Office forwarded goods to the value of ₹ 25,000 to the branch where these were received on 3rd April, 2015.

Prepare :

(*i*) Branch Trading and Profit & Loss Account,

(*ii*) Mumbai Branch Account in the books of Head Office. 10

नीचे 31 मार्च, 2015 को मुम्बई शाखा का कच्चा चिट्ठा दिया गया है :

विवरण	₹	विवरण	₹
दिल्ली प्रधान कार्यालय	32,400	विक्रय	3,80,000
स्टॉक (1-4-2014)	60,000	प्रधान कार्यालय को माल भेजा	60,000
क्रय	1,78,000	लेनदार	18,500
प्रधान कार्यालय से माल आया	90,000		
वेतन	15,000		
देनदार	37,000		
किराया	9,600		
कार्यालयी व्यय	4,700		
नगद तथा बैंक बैलेन्स	17,800		
फर्नीचर	14,000		
	4,58,500		4,58,500

अतिरिक्त जानकारी :

अन्तिम स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 27,000 किया गया। 31 मार्च, 2015 को प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में शाखा खाते में नामे शेष ₹ 4,600 (Debit Balance) था। 28 मार्च, 2015 को प्रधान कार्यालय ने ₹ 25,000 मूल्य का माल शाखा को प्रेषित किया किन्तु शाखा में यह माल 3 अप्रैल, 2015 को प्राप्त हुआ।

P.T.O.

प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में निम्नलिखित खाते तैयार कीजिए :

(*i*) शाखा व्यापार तथा लाभ एवं हानि खाता, तथा

(*ii*) मुम्बई शाखा खाता।

6. A, B and C were partners sharing profits and losses in the ratio of 2 : 2 : 1 respectively. The balance sheet of the firm as on 31st March, 2015 was as follows :

Liabilities	₹	**Assets**		₹
Capital :		Fixed Assets		4,00,000
A	2,92,000	Current Assets :		
B	1,08,000	Stock	2,50,000	
C	1,00,000	Debtors	2,50,000	
C's Loan Account	50,000	Cash	10,000	5,10,000
Mrs. A's Loan	1,00,000	Advance to B		40,000
Sundry Creditors	2,50,000			
Provision for Bad debts	50,000			
	9,50,000			9,50,000

The firm was dissolved on the date of Balance Sheet due to continued losses. After preparing the Balance Sheet as on 31st March 2015, it was discovered the purchases amounting to ₹ 40,000 in March, 2015 were not recorded in the books though the goods were received during March, 2015.

Fixed assets realised ₹ 2,00,000; stock ₹ 2,10,000 and debtors ₹ 2,05,000. Creditors were paid after deduction of discount @ 2%. The realisation expenses amounted to ₹ 10,800. A agreed to take over the loan of Mrs. A. B is insolvent and his estate is unable to contribute anything. Prepare Realisation A/C, Partners Capital A/Cs and Cash A/C to close the books of the firm applying the decision in Garner *Vs.* Murray. 10

A, B तथा C क्रमशः 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ तथा हानि बाँटने वाले साझेदार हैं। 31 मार्च, 2015 को उनकी फर्म का तुलन-पत्र इस प्रकार था :

देयताएँ	₹	परिसम्पत्तियाँ	₹
पूँजी :		स्थाई सम्पत्तियाँ	4,00,000
A	2,92,000	चालू सम्पत्तियाँ :	
B	1,08,000	स्टॉक 2,50,000	
C	1,00,000	देनदार 2,50,000	
C का ऋण खाता	50,000	नगद 10,000	5,10,000
श्रीमती A का ऋण	1,00,000	B को अग्रिम भुगतान	40,000
विभिन्न लेनदार	2,50,000		
बट्टे खाते का प्रावधान	50,000		
	9,50,000		9,50,000

P.T.O.

लगातार होती हानि के कारण तुलन-पत्र की तिथि को साझेदारी फर्म को भंग कर दिया गया। 31 मार्च, 2015 को तुलन-पत्र तैयार करने के बाद पता चला कि मार्च, 2015 में ₹ 40,000 की खरीद को फर्म की पुस्तकों में रिकॉर्ड नहीं किया गया हालांकि माल मार्च, 2015 में प्राप्त कर लिया गया था।

स्थाई परिसम्पत्तियों से प्राप्त हुए ₹ 2,00,000; स्टॉक से ₹ 2,10,000 तथा देनदारों से ₹ 2,05,000, लेनदारों को 2% छूट काटकर भुगतान किया गया। वसूली का व्यय ₹ 10,800 हुआ। A ने श्रीमती A के ऋण को अपनाना स्वीकार किया। B दीवालिया है तथा उसकी सम्पत्तियों से कुछ भी योगदान प्राप्त नहीं हो सकता। गार्नर **बनाम** मरे के निर्णय को लागू करते हुए फर्म की पुस्तकें बन्द करने के लिए—वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा रोकड़ खाता तैयार कीजिए।

Or

(अथवा)

A, B, C and D were partners in a firm. The capital of the firm consisted of ₹ 80,000 contributed originally in the proportion of 4 : 3 : 2 : 1. The profits and losses were shared in the same proportion. The firm was dissolved on 31st March, 2015. The Balance Sheet as on that date was as under :

Liabilities	₹	**Assets**	₹
Capital :		Stock	38,000
A	40,000	Debtors	1,00,000
B	28,000	Cash	12,000

C	21,000	
D	5,000	
Loan :		
A	10,000	
C	16,000	
Creditors	30,000	
	1,50,000	1,50,000

It was decided on 15th April, 2015 that the net realisation should be distributed on the first of each month in the appropriate order. The realisation and expenses at the end of each month were as under :

	Debtors	**Stock**	**Expenses**
	₹	₹	₹
April	30,000	14,000	1,000
May	17,000	10,000	2,000
June	22,000	—	500
July	11,000	8,000	300
August	14,000	5,000	200

The stock was completely disposed off. It was further agreed that B should take over the remaining debts of ₹ 5,000. Show the distribution of cash through maximum possible loss method. 10

A, B, C और D एक फर्म में साझेदार थे। फर्म की पूँजी ₹ 80,000 थी जिसे साझेदारों ने मूल रूप से 4 : 3 : 2 : 1 के अनुपात में लगाया था। लाभ-हानि का विभाजन भी इसी अनुपात में होता था। 31 मार्च, 2015 को फर्म को भंग कर दिया गया। उस तिथि को फर्म का तुलन-पत्र इस प्रकार था :

देयताएँ	₹	सम्पत्तियाँ	₹
पूँजी :		स्टॉक	38,000
A	40,000	देनदार	1,00,000
B	28,000	नगद	12,000
C	21,000		
D	5,000		
ऋण :			
A	10,000		
C	16,000		
लेनदार	30,000		
	1,50,000		1,50,000

15 अप्रैल, 2015 को निर्णय किया गया कि निबल वसूली की राशि को प्रत्येक माह की पहली तिथि को उचित क्रम में बाँट लिया जाय। हर माह के अन्त में वसूली तथा खर्चों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

माह	देनदार	स्टॉक	खर्चे
	₹	₹	₹
अप्रैल	30,000	14,000	1,000
मई	17,000	10,000	2,000
जून	22,000	—	500
जुलाई	11,000	8,000	300
अगस्त	14,000	5,000	200

स्टॉक को समुचित रूप से बेच दिया गया। बाद में यह भी तय हुआ कि ₹ 5,000 की बची हुई देनदारियों का भुगतान B करेगा। अधिकतम संभाव्य-हानि विधि द्वारा रोकड़ का भुगतान दर्शाइए।